भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यएसभा

लिखित प्रश्न सं. 137 जिसका उत्तउर

सोमवार, 24 नवम्ब र, 2014/3 अग्रहायण, 1936 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्री□य अन्तार्देशीय जलमार्ग-4 का विकास

137. **श्रीमती कानीमोझी :**

क्या ा**पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्री□यअन्त र्देशीय जलमार्ग-4 के विकास की वर्तमान स्थि ति क्या ़ा है

(ख) इस जलमार्ग को माल और यात्री के आवागमन के लिए कब तक चालू कर दिए जाने का प्रस्तानव है

(ग) इस कार्य की प्रगति में विलम्बर के क्या कारण; हैं और

(घ) सरकार द्वारा विभिन्नग राष्ट्री ेय अन्तकर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं के त्वनरित निष्पानदन के लिए क्या सुधारात्मषक उपाय किए गए हैं

उत्तपर

पोत परिवहन राज्यस्मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णधन्)

(क) से (ग) : आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु राज्यों□ और पुडुचेरि संघ राज्यं क्षेत्र का काकीनाडा- पुडुचेरी नहर सहित गोदावरी और कृष्णा नदियों (1078 कि.मी.) को वर्ष 2008 में जलमार्ग-4 (एन. डब्यू उ□-4) के रूप में घोषित किया गया है। प्रारंभ में सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के अन्तर्गत राष्ट्री□य जलमार्गों पर फेयरवे के विकासशील खंडों की संभावनाओं का पता लगाने का प्रयास किया था। तथापि, वह एक व्यूवहार्य प्रस्तालव प्रतीत नहीं हुआ। तत्पगश्चा ात् यह निर्णय किया गया कि समस्तक राष्ट्रीयय जलमर्गों में फेयरवे

का विकास बजटीय सहायता से किया जाएगा । इसके बाद्र जनवरी 2014 में तमिलनाडु में शोलिंगानालुर से कलपक्किम (37 कि.मी.) तक दक्षिण बकिंघम नहर के विकास की योजना स्वीशकृत की गई थी। कार्य करने वाले घटक में ड्रेजिंग और उत्खमनन टर्मिनल सुविधाओं का निर्माण, मौजूदा पुराने तथा क्षतिग्रस्त् नेविगेशन लॉक और ब्रिज को विध्वंकस तथा पुन: निर्माण करना, नेविगेशन सहायता उपकरणों की स्थाेपना और ओपनिंग ऑफ सी माउथ शामिल हैं। इन कार्यों के निष्पापदन के लिए टर्मिनलों के विकास और निष्करर्षित सामग्री को जमा करने के लिए भूमि की पहचान करने एवं हस्तां□तरण के संबंध में तमिलनाडु सरकार से संपर्क किया गया।

आंध्र प्रदेश राज्य। में आ रहे एन.डब्लतयू.- 4 के भाग में विभिन्न विकासात्मनक गतिविधियों के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ विस्तृत चर्चाएं भी की गईं। चूंकि विभिन्ना अध्ययन/सर्वेक्षण कार्य किए जा रहे हैं अत: परियोजना के पूर्ण होने का समय केवल डीपीआर को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चा त् ही निर्धारित किया जा सकेगा।

(घ) : भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आई. डब्यूके □. ए. आई.) ने एन.डब्यू भय□-1 एन.डब्यूिए □.-2 और एन.डब्यू च□.-3 के बड़े हिस्से सहित न्यू)नतम उपलब्धड गहराई (एल.ए.डी.) जेट्टी/टर्मिनल जैसे नेविगेशन सहायता उपकरणों और अवसंरचना का पूर्व में ही विकास कर दिया है। " जलमार्ग विकास परियोजना" के अंतर्गत एन.डब्यूिका□.-1 के हल्दिसया-इलाहाबाद खंड को 3.0 मीटर एल.ए.डी.सहित तथा 1500 डेड वेट टन (डी. डब्यू को□. टी) जलयानों के आवागमन में सक्षम अन्यन अवसंरचनात्माक सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

एन.डब्यूअन्□.-5 के विकास के लिए आई.डब्यूनएएआई द्वारा ओडिशा सरकार पारादीप पत्तमन और धामरा पत्तयन प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताडक्षर किए गए हैं। वर्तमान में विभिन्नत अध्यायन चल रहे हैं और विकासात्म क परियोजनाओं का कार्यान्वरयन अध्यनयनों और उनके विश्लेचषण के पूर्ण होने पर किया जाएगा।

****